दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-३ वा | गुरूवार २१ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

सांसद बजरंग सोनवने की मांग पर हज यात्रा की पहली किस्त जमा करने की तारीख २५ अगस्त तक बढ़ी

दिल्ली (तामीर न्यूज)पवित्र हज यात्रा-२०२६ नोंदणी से जुड़ी पहली किस्त जमा करने की अंतिम तारीख अब २५ अगस्त तक बढ़ा दी गई है। तारीख बढ़ाने की यह मांग सांसद बजरंग सोनवने समेत देशभर के हज यात्रियों ने की थी।

पहले यह अंतिम तारीख २० अगस्त तय की गई थी। लेकिन लॉटरी घोषित होने के बाद १५ से १७ अगस्त तक लगातार बैंक छुट्टियां और तकनीकी समस्याओं के कारण कई यात्रियों को समय पर राशि जमा करने में कठिनाई हुई। इसी को ध्यान में रखते हुए सांसद बजरंग सोनवने ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात कर ३० अगस्त तक तारीख बढ़ाने की मांग की थी।

पत्र में कहा गया कि महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई हर साल हज यात्रा के लिए जाते हैं। ऐसे में उनकी नोंदणी प्रक्रिया में अड़चन न आए, इसके लिए तारीख बढ़ाना जरूरी था। इस मांग पर विचार करते हुए अब पहली किस्त जमा करने की अंतिम तारीख २५ अगस्त कर दी गई है।

इस दौरान मंत्री किरेन रिजिजू ने सांसद सोनवने को आश्वासन दिया था कि वे व्यक्तिगत रूप से इस विषय पर ध्यान देकर आवश्यक निर्णय लेंगे। सामाजिक मुद्दे लगातार उठाने और उनके लिए प्रयास करने पर सांसद बजरंग सोनवने की सराहना हो रही है।

हज कमेटी ने हाजियों को दी बड़ी सुविधा

पहले यह होता था कि हज की पहली क़िस्त (एडवांस राशि) जमा करने के बाद हाजियों को अपने दस्तावेज़ (हज का फ़ॉर्म हस्ताक्षरित, मेडिकल रिपोर्ट, पैसे जमा करने के बाद बैंक से मिलने वाली रसीद आदि) लेकर प्रांतीय हज कमेटी के दफ़्तर में जमा करना पड़ता था। इसके लिए हाजियों को काफ़ी दूर-दूर से यात्रा करनी पड़ती थी। फिर हज कमेटी के दफ़्तर में पहुंचकर लंबी-लंबी लाइनों में लगना पड़ता था और कई परेशानियां उठानी पड़ती थीं। आने-जाने में पूरा दिन भी कम पड़ जाता था।

लेकिन आज (२० अगस्त २०२५) से हज कमेटी ने अपनी वेबसाइट पर Upload Documents का विकल्प शुरू करके ऑनलाइन दस्तावेज़ जमा करने की सुविधा दे दी है।

अब किसी को अपने दस्तावेज़ जमा करने के लिए प्रांतीय हज कमेटी के दफ़्तर जाने की ज़रूरत नहीं है। जहाँ हैं, वहीं से अपने दस्तावेज़ अपलोड करके जमा कर सकते हैं।

ये दस्तावेज़ अपलोड करने होंगे: १. मेडिकल सर्टिफिकेट का पहला पन्ना, २. मेडिकल सर्टिफिकेट का दूसरा पन्ना, ३. हज का फ़ॉर्म (जिस पर हाजी, वारिस और महरम के हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान हों), ४. डिक्लेरेशन डॉक्युमेंट (हस्ताक्षरित), ५. डिक्लेरेशन पासपोर्ट (हस्ताक्षरित), ६. राशि जमा करने के बाद बैंक से मिलने वाली रसीद,

नोट: डिक्लेरेशन डॉक्युमेंट और डिक्लेरेशन पासपोर्ट हज के फ़ॉर्म के साथ ही डाउनलोड होते हैं।

दस्तावेज़ अपलोड करने की आखिरी तारीख २५ अगस्त २०२५ है।

राज्य में ओला सूखा घोषित करें-हर्षवर्धन सपकाळ

प्रति हेक्टेयर ५० हजार की भी मांग

मुंबई (जमीर काज़ी):

राज्य में मूसलधार बारिश के कारण कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हुई है। अतिवृष्टि से लगभग १५ लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र की फसलें बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। इसलिए राज्य में ओला सूखा घोषित कर किसानों को प्रति हेक्टेयर ५० हजार रुपये की तात्काळ सहायता दी जाए, ऐसी मांग कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने की है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बुधवार को भेजे गए पत्र में प्रदेशाध्यक्ष सपकाळ ने यह मांग की। पत्र में कहा गया है कि मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिम महाराष्ट्र के लगभग १७ जिलों को बारिश ने गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उत्तर महाराष्ट्र और कोंकण में भी बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। ज्वार, बाजरा, उड़द, मक्का, सोयाबीन, मूंग, कपास, अरहर, फल और सब्जियों को भारी नुकसान पहुंचा है। हजारों हेक्टेयर में खड़ा गन्ना भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कुछ जगहों पर किसानों का पशुधन बह गया है तो वहीं नांदेड जिले में जनहानि भी हुई है। इससे किसानों पर प्राकृतिक आपदा का और संकट टूट पड़ा है।

राज्य सरकार ने पंचनामा करने के आदेश तो दिए हैं, लेकिन इस कठिन समय में सरकार को सभी नियम-शर्तों को दरकिनार कर किसानों की मदद करनी चाहिए। जहां जनहानि हुई है, वहां प्रभावित परिवारों को सहानुभूतिपूर्वक आर्थिक मदद दी जानी चाहिए, ऐसा भी हर्षवर्धन सपकाळ ने अपने पत्र में कहा है।

बारिश के 'ब्रेक' से मुंबई धीरे-धीरे पटरी पर!

मेट्रो सामान्य, लेकिन लोकल और बेस्ट सेवा धीमी

मुंबई, दि. २० अगस्त (जमीर काज़ी):

लगातार २० घंटे की भीषण बारिश से अस्त-व्यस्त हुई मुंबई में बुधवार को बारिश ने थोड़ी राहत दी। दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही लेकिन बीच-बीच में खुले मौसम के कारण महानगर धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। ट्रैक और सड़कों पर पानी भर जाने से मंगलवार को पूरी तरह ठप हुई परिवहन व्यवस्था बुधवार को फिर से शुरू हो गई। हवाई सेवा और मेट्रो सुचारू रूप से चल रही थी, जबकि लोकल ट्रेनें धीमी और सड़क यातायात गड्ढों के कारण संथ गति से जारी था। शहर और उपनगरों में बचाव कार्य तेज़ी से जारी है।

रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, सांगली और सातारा जिलों में अब भी मूसलधार बारिश हो रही है और वहां बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। मुंबई व ठाणे महानगरपालिकाओं की ओर से गिरे हुए मकान, टूटे पेड़ की शाखाएं हटाने और सड़कों की सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। वहीं, बारिश के कारण बेघर हुए नागरिक असहाय होकर अपना सामान समेटते नजर आए।

मंगलवार को अभूतपूर्व बारिश से मुंबई जलमग्न हो गई थी। हालांकि बुधवार को बारिश का जोर कम होने से जनजीवन और यातायात सामान्य होने लगा। विशेष रूप से मुंबई लोकल सेवा धीरे-धीरे सामान्य हो रही थी, हालांकि थोड़ी देरी और परेशानी बनी रही। हवाई अड्डे पर भी उड़ानों की आवाजाही धीरे-धीरे सामान्य हो रही है, यात्री संख्या बढ़ रही है और हवाई सेवा नियमित रूप से शुरू हो गई है।

बारिश का असर: बारिश का जोर कम होने से शहर में पानी भरने की समस्या भी घट गई है। इससे सड़क यातायात और अन्य सेवाएं सुचारू होने लगी हैं। प्रशासन हालात पर नज़र रखे हुए है और आवश्यक कदम उठा रहा है। कुल मिलाकर, मुंबई में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और जनजीवन पटरी पर लौट रहा है।

मोनोरेल में फंसे ५८५ लोग सुरक्षित बाहर निकाले

मंगलवार को वडाला से भक्ति पार्क मार्ग पर मोनोरेल अचानक बंद हो गई, जिसमें फंसे ५८५ यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा। बताया गया कि क्षमता से अधिक यात्री चढ़ने के कारण मोनोरेल बंद हो गई थी।

बचाव कार्य के दौरान दो मोनोरेल की खिड़कियां तोड़कर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया, जिसके कारण बुधवार को वे दोनों मोनोरेल बंद थीं। शेष दो मोनोरेल ही चालू थीं, जिससे लगभग एक-एक घंटे के अंतर से सेवा मिल रही थी। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मैडिसन स्क्वायर गार्डन अमेरिका का महत्व और ज़ाकिर खान का कामयाब पहेला हिंदी शो और हिंदुस्तान कि गुंज

न्युयोर्क एजेंसी

मैडिसन स्क्वायर गार्डन (चडऋ), जिसे अक्सर द वर्ल्ड्स मोस्ट फेमस ऐरेना कहा जाता है, न्यूयॉर्क शहर में स्थित एक विश्व प्रसिद्ध स्थल है। यह न केवल खेल आयोजनों (जैसे NBA और NHL) का घर है, बल्कि यहाँ विश्व के सबसे बड़े कलाकारों, जैसे बिली जोएल, एल्टन जॉन, और माइकल जैक्सन, ने परफॉर्म किया है। कॉमेडी की दुनिया में, इस मंच पर प्रदर्शन करना एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, क्योंकि यहाँ केवल वैश्विक स्तर के सितारे ही शो करते हैं, जैसे एडी मर्फी, केविन हार्ट, और क्रिस रॉक।

ज़ाकिर खान का १७ अगस्त २०२५ को मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हिंदी में स्टैंड-अप कॉमेडी शो करना अमेरिका में एक ऐतिहासिक मुकाम है। यहाँ कुछ कारण हैं कि यह उपलब्धि अमेरिका और वैश्विक स्तर पर इतनी महत्वपूर्ण है:

हिंदी में पहला शो:

ज़ाकिर खान पहले भारतीय कॉमेडियन हैं जिन्होंने इस प्रतिष्ठित मंच पर पूरी तरह

हिंदी में प्रदर्शन किया। यह एक ऐसी भाषा में परफॉर्म करना है, जो वैश्विक मंचों पर आमतौर पर अंग्रेजी के प्रभुत्व वाले प्रदर्शनों के बीच असामान्य है। हिंदी में ६,००० से अधिक दर्शकों को आकर्षित करना और स्टैंडिंग ओवेशन प्राप्त करना भारतीय भाषा और संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है।

वैश्विक मंच पर भारतीय कॉमेडी:

मैडिसन स्क्वायर गार्डन में परफॉर्म करना किसी भी कलाकार के लिए एक सपना होता है। यह मंच वैश्विक स्तर पर कलाकारों की प्रतिष्ठा को स्थापित करता है। ज़ाकिर का यहाँ प्रदर्शन न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह भारतीय स्टैंड-अप कॉमेडी को वैश्विक स्तर पर ले जाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दर्शाता है कि भारतीय हास्य, खासकर क्षेत्रीय भाषाओं में, अब अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को आकर्षित कर सकता है।

भारतीय प्रवासियों का प्रभाव:

अमेरिका में भारतीय प्रवासी समुदाय की बड़ी संख्या ने इस शो को एक सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया। ६,००० दर्शकों की भीड़, जिसमें अधिकांश भारतीय मूल के लोग थे, ने ज़ाकिर की कहानियों और शायरी से गहरा जुड़ाव महसूस किया। यह भारतीय प्रवासियों की बढ़ती सांस्कृतिक शक्ति को दर्शाता है, जो अमेरिका में भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।

मीडिया और प्रचार:

इस शो से पहले, ज़ाकिर के पोस्टर टाइम्स स्क्वायर के बिलबोर्ड्स पर प्रदर्शित हुए, जो न्यूयॉर्क का एक और प्रतिष्ठित स्थान है। उन्होंने फॉक्स ५ न्यूयॉर्क जैसे अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स में साक्षात्कार दिए और मिशेलिन स्टार शेफ विकास खन्ना के साथ एक हल्के-फुल्के कुकिंग सेशन में भी हिस्सा लिया। इन गतिविधियों ने उनके शो को और अधिक चर्चा में ला दिया, जिससे यह आयोजन अमेरिका में भारतीय संस्कृति की एक बड़ी जीत बन गया।

सांस्कृतिक प्रभाव:

ज़ाकिर का यह शो केवल एक कॉमेडी प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की नरम शक्ति (soft power) का प्रदर्शन था। उन्होंने अपनी कॉमेडी के माध्यम से आम भारतीय की भावनाओं, सपनों, और संघर्षों को प्रस्तुत किया, जो न केवल भारतीय दर्शकों बल्कि वैश्विक दर्शकों के लिए भी प्रासंगिक था। यह शो हिंदी भाषा को वैश्विक मंच पर ले जाने और भारतीय कॉमेडी को एक नई पहचान देने का प्रतीक है।

अमेरिका में इसका मुकाम

अमेरिका में मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन करना किसी भी कलाकार के लिए एक शीर्ष उपलब्धि मानी जाती है। यह मंच वैश्विक मनोरंजन उद्योग में एक विशेष स्थान रखता है, और यहाँ प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त होती है। ज़ाकिर खान का हिंदी में शो करना न केवल उनके लिए बल्कि पूरी भारतीय कॉमेडी इंडस्ट्री के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह अमेरिका में भारतीय प्रवासियों और गैर-भारतीय दर्शकों के बीच हिंदी कॉमेडी की स्वीकार्यता को दर्शाता है।

ज़ाकिर की इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय कॉमेडी को वैश्विक मंच पर स्थापित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि भाषा और सांस्कृतिक पहचान की कोई सीमा नहीं होती। यह एक ऐसा क्षण है जो अमेरिका में भारतीय संस्कृति की बढ़ती उपस्थिति और प्रभाव को रेखांकित करता है। इस शो ने यह साबित किया कि एक इंदौर का लड़का, जो कभी छोटे मंचों पर अपनी बात कहता था, दुनिया के सबसे बड़े मंच पर अपनी भाषा और संस्कृति को गर्व के साथ प्रस्तुत कर सकता है।

निष्कर्ष

ज़ाकिर खान का मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन अमेरिका में एक सांस्कृतिक और कलात्मक मील का पत्थर है। यह न केवल उनके व्यक्तिगत करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, बल्कि यह भारतीय कॉमेडी, हिंदी भाषा, और भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है। यह आयोजन अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के लिए गर्व का क्षण है और विश्व भर में भारतीय कला के लिए एक नया अध्याय है .

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के लंदन स्थित घर को ना. पंकजा मुंडे ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई, दिनांक २०, संवाददाता

महामानव भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के लंदन स्थित निवास स्थान का आज महाराष्ट्र की पर्यावरण व पशुपालन मंत्री ना. पंकजा मुंडे ने दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणा और संघर्ष का सामर्थ्य देने वाली ऐतिहासिक धरोहर है, जिसका अभिमान मुझे ही नहीं बल्कि हर भारतीय को है।

ना. पंकजा मुंडे इन दिनों लंदन प्रवास पर हैं। उन्होंने आज भारतरत्न डॉ. आंबेडकर के घर पहुंचकर उन्हें नमन किया। १९२१ से १९२२ के कालखंड में डॉ. आंबेडकर का यहां निवास था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल पर महाराष्ट्र सरकार ने यह धरोहर कुछ वर्ष पहले खरीदी थी। पंकजा मुंडे ने इस घर में संरक्षित डॉ. आंबेडकर की स्मृतियां, उनके फोटोग्राफ, पुस्तकें आदि बारीकी से देखीं और वहाँ मौजूद रजिस्टर पर अपने अभिप्राय भी लिखे।

उन्होंने कहा कि यह धरोहर केवल एक इमारत नहीं है बल्कि समानता, न्याय और शिक्षा के मूल्यों को पुनः उजागर करने वाला अनुभव है। यह प्रत्येक भारतीय को गौरव देने वाली धरोहर है। डॉ. आंबेडकर का कार्य केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरी दुनिया के शोषितों, वंचितों और हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है, इसका पुनः अनुभव इस दौरे से हुआ।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाठ, राज्यमंत्री माधुरीताई मिसाळ, विधायक श्वेता महाले, भाजपा के पुणे जिला अध्यक्ष जगदीश मुळीक आदि उपस्थित थे।

नुकसानग्रस्त क्षेत्रों का पंचनामा कर किसानों को तुरंत मदद दें-डॉ.ज्योति मेटे

जिल्हाधिकारी से की मुलाकात

बीड़ (प्रतिनिधि): पिछले तीन दिनों से जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण हजारों हेक्टेयर क्षेत्र की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। सरकार ने घरों का नुकसान, जनहानि, पशुधन और कृषि हानि के मुआवजे का अधिकार जिल्हाधिकारी को दिया है। इसी के तहत शिवसंग्राम अध्यक्ष डॉ. ज्योति विनायकराव मेटे ने जिल्हाधिकारी विवेक जॉन्सन से मुलाकात कर मांग की कि राजस्व विभाग के माध्यम से तुरंत मंडलवार सर्वे कर किसानों को मुआवजा देने की कार्यवाही की जाए।

जिले में बारिश से हजारों हेक्टेयर पर खड़ी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इस नुकसान को सरकार ने गंभीरता से लिया है और जल्द ही प्रभावित किसानों को सहायता देने की घोषणा की है। इसके लिए जिल्हाधिकारी को आदेश दिया गया है कि वे नुकसान का पंचनामा कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी संदर्भ में डॉ. ज्योति मेटे ने मांग रखी कि प्रशासन नुकसानग्रस्त क्षेत्रों का तुरंत पंचनामा कर रिपोर्ट तात्कालिक रूप से जमा करे।

इस मौके पर शिवसंग्राम जिल्हा सरचिटणीस अनिल घुमरे, तालुकाध्यक्ष पंडितराव माने, किसान आघाड़ी जिलाध्यक्ष राजेंद्र आमटे, सामाजिक न्याय विभाग जिलाध्यक्ष सुनील शिंदे, मनोज जाधव, शेख आबेद, ज्ञानेश्वर कोकाटे, दादा गोंदावले, प्रा. पंडित शेंडगे, मंगेश माने समेत बड़ी संख्या में किसान और शिवसंग्राम पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद में ६,००० करोड़ रुपये से ज़्यादा के विकास कार्य चल रहे हैं।

भारत २० साल बाद फिर से राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी कर सकता है

हबीब शेख, अहमदाबाद

राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के लिए भारत की बोली को औपचारिक रूप से मंज़ूरी मिल गई है। भारत पहले ही अहमदाबाद को मेज़बानी शहर के रूप में प्रस्तावित कर चुका है। हालाँकि, अंतिम बोली का प्रस्ताव ३१ अगस्त की समय सीमा से पहले जमा करना होगा। ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद में वर्तमान में ६,००० करोड़ रुपये से ज़्यादा के विकास कार्य चल रहे हैं, जिनमें सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव, नारनपुरा कॉम्प्लेक्स और कराई स्टेडियम शामिल हैं। अगर २०३० में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल खेल आयोजित होते हैं, तो अनुमान है कि इस पर १६,००० करोड़ रुपये से ज़्यादा खर्च होंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को अनुमानित २२-२५,००० करोड़ रुपये का फ़ायदा हो सकता है।

कनाडा के दौड़ से बाहर होने के बाद भारत के खेलों की मेज़बानी की संभावनाएँ बढ़ गई हैं। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेलों के अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में आयोजन स्थलों का निरीक्षण करने के लिए अहमदाबाद का दौरा किया। अहमदाबाद में सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव इस परियोजना का केंद्र है। इस एन्क्लेव में तैराकी, मुक्केबाजी, जिम्नास्टिक, कबड्डी और क्रिकेट जैसे प्रमुख खेलों के आयोजन की उम्मीद है।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से गुजरात की जीडीपी में २५ प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और सीए ए. यमिल व्यास ने कहा कि अगर भारत को राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का मौका मिलता है, तो अहमदाबाद में अधिक से अधिक खेल खेले जा सकेंगे। इससे अहमदाबाद की छवि बदलेगी। बुनियादी ढांचे में मजबूत विकास होगा, जो सीधे गुजरात की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा और रोजगार पैदा करेगा। चूँकि ये खेल २०३० में होने वाले हैं, इसलिए गुजरात की जीडीपी में २०२८, २९ और ३० की औसत वृद्धि से २५ प्रतिशत अधिक वृद्धि देखी जा सकती है। १९८२ में एशियाई खेल दिल्ली में आयोजित किए गए थे और इसके परिणामस्वरूप दिल्ली की छवि जिस तरह बदली, वह अहमदाबाद में देखी जा सकती है।

जब भारत ने २०१० में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी, तो उसने ३८ स्वर्ण पदकों सहित १०१ पदक जीते थे। भारत पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर रहा, जिसे राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जाता है।

जयदत्त (अण्णा) क्षीरसागर के जीवन कार्य पर राज्यस्तरीय निबंध प्रतियोगिता

शिरूर कासार (प्रतिनिधि):

यहाँ के कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय और वाङ्मय मंडळ के संयुक्त तत्वावधान में राज्यस्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी, शिक्षक, प्राध्यापक तथा सामाजिक कार्यकर्ता भाग ले सकते हैं।

निबंध के विषय इस प्रकार हैं:

१. जयदत्त (अण्णा) क्षीरसागर : सामाजिक न्याय के योद्धा

२. जयदत्त (अण्णा) क्षीरसागर : सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कार्य

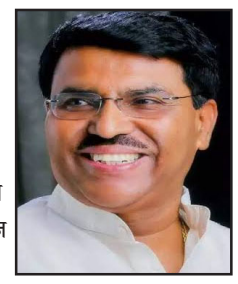

प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे अपना हस्तलिखित निबंध इमेज या झेरॉक्स स्वरूप में १५ सितंबर २०२५ तक ९०९६६८४७६८ इस व्हाट्सएप क्रमांक पर भेजें। यह जानकारी वाङ्मय मंडळ के अध्यक्ष डॉ. रमेश लांडगे ने दी।

विशेष सूचना:

प्राप्त सभी निबंधों का एक आईएसबीएन क्रमांक सहित गौरव ग्रंथ प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही, पहले तीन श्रेष्ठ निबंध लिखने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विश्वास कंधारे ने कहा कि यह प्रतियोगिता युवाओं को प्रेरणा देने के साथ-साथ जयदत्त (अण्णा) क्षीरसागर के जीवन व कार्यों से समाज को अवगत कराने का माध्यम बनेगी।

सरकारी वकीलने न्यायालय में की आत्महत्या

वडवणी, दि. २० (प्रतिनिधि): यहां के एक सरकारी वकील ने न्यायालय की एक कक्ष में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सनसनीखेज घटना बुधवार (दि. २०) सुबह सामने आई। घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। इस मामले में वडवणी पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु की एंट्री की गई है। बताया जाता है कि आत्महत्या से पहले संबंधित वकील ने एक सुसाइड नोट भी लिखा है।

आत्महत्या करने वाले वकील का नाम सहायक सरकारी अभियोक्ता विनायक लिंबाजी चंदेल (आयु ४० वर्ष) है। बुधवार सुबह उनकी कक्ष की खिड़की के सरियों से फांसी लगाए हुए अवस्था में उनका शव बरामद हुआ। सुबह-सुबह न्यायालय परिसर में ही वकील ने जीवन समाप्त कर लेने की घटना से पूरे राज्य में खलबली मच गई है।

चंदेल की नियुक्ति इसी वर्ष जनवरी माह में सहायक सरकारी अभियोक्ता के रूप में हुई थी। मात्र सात-आठ महीने में ही उन्होंने आत्महत्या कर ली, जिससे सहकर्मी वकीलों, न्यायालयीन कर्मचारियों और नागरिकों में शोक व्यक्त किया जा रहा है। आत्महत्या का सटीक कारण अभी सामने नहीं आया है।

घटनास्थल का दौरा अपर पुलिस अधीक्षक चेतना तिडके तथा वडवणी थाने की सहायक निरीक्षक वर्षा भगाडे ने किया।

मिल्लिया महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर व्याख्यान

बीड: मिल्लिया कला, विज्ञान एवं प्रबंधनशास्त्र महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक २० अगस्त २०२५ को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सुदृढ़ युवा - सुदृढ़ भारत विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में सौ. राजश्री हिवरेकर, जिला एड्स प्रतिबंध एवं नियंत्रण कक्ष (ऊ-झउण), जिला अस्पताल, बीड उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रो. हुसैनी एस.एस. ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वारे, प्रा. शोएब पिरजादे, प्रा. (डॉ.) शामल जाधव और आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अब्दुल अनीस उपस्थित थे।

प्रमुख अतिथि सौ. राजश्री हिवरेकर ने युवाओं के स्वास्थ्य, नशामुक्त जीवन, एच.आई.वी./एड्स जागरूकता तथा समाज में युवा शक्ति की सकारात्मक भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य सचेतना और राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की अहम भूमिका के बारे में समझाया। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने उन्हें सकारात्मक मूल्य अपनाकर समाज में सक्रिय योगदान देने का आवाहन किया। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रो. हुसैनी एस.एस. ने कहा कि यदि युवा नियमित व्यायाम करें तो बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रमेश वारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. शामल जाधव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्र-छात्राएँ, प्राध्यापकगण और कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इलयास फाज़ील का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com